

গহন বনে শ্রীহরি নামের
মোহন বাঁশী কে বাজায় ।
ভুবন ভরি' সেই সুরেরি
সুরধ্বনি ঝয়ে যায় ॥

সেই নামেরি বাঁশীর সুরে
বনে পূজার কুসুম বুয়ে
সেই নামেরি মাঝাবলী
গ্রহ তারা আকাশ জুড়ে
অস্ত বিহীন-সেই নামেরি
সুর-স্রোতে কে ভাসবি আর ॥

॥ কবির স্বকণ্ঠে গীত গান ॥

'ধুব' সিনেমার গান ॥ তাল : কাহারুবা

II { -না রা রা গা | গমা -না মপা -না I -না পা পা ধা | পধা ^{ধগ}-ধগধপা মগা -মা I
O গ হ ন ষ O নে O O শ্রী হ রি নাO OOOO মেO হ্

I -না পা পা গীর্জা | গস' গাঃ -ধা পা -না I -না মগা -মা পা | জ'রা -না: -জা: -মগা } I
O মো হ্ ম বাঁ O শী O O কে O বা জা O O Oহ্

I { -না রা রা গা | গমা -না মপা -না I -না পা -না ধা | পধা ^{ধগ}-ধগধপা মগা -মা I
O ডু ষ ন ড O রি O O সে ই সু রেO OOOO রিO O

I -না পা -না গীর্জা | গস' গাঃ -ধা: পা -না I -না মগা -মা পা | রা -মজা: -রঃ -গা } II
O সু O র ধু O নি O O ব' O রে যা OO O হ্

[-নধা]

II { - পা -না না | না: -সন: ধনধা -পা I -া পূর্না সী -া | সী -া সী -া I
0 সে ই না যে 00 রি00 0 0 বা শী র্ সূ 0 রে 0

I (-া -া স-না -ধা | -পা -ধা: -দর: -সী) I -া সী -া রা | রা -া সর্বা -সর্বা I
0 0 0 0 0 0 00 0 0 ব 0 নে পূ 0 জা0 00

I -ধা গা গর্বা -সী | সী -া -সী -া I { -া গা: -স: সী | সর্বা: -ধ: ধা -া I
ধ্ কু সু0 ম্ ঋ 0 0 রে 0 সে ই না যে 0 রি 0

I ধনা -সী গা | ধা -গধা পা -া I -া -মা: -র: রা | রমা -রা রণা -ধা I
0 না0 0 মা ব 00 লি 0 0 গ্র 0 হ তা0 0 রা0 0

I -পম: ৩ মা জা -রা | রা: -জ: রসা -া } I { -া রা -া গা | গর্মা -া মপা -া I
00 আ কা শ্ জু 0 ড়ে0 0 0 অ ন্ ত বি 0 হী শ্

I -া পা -া -পা | পধা -ধণধপা মগা -মা I -া পা -া সী | নসর্বা: -ধ: পা -া I
0 সে ই না মে0 0000 রি0 0 0 সূ র্ শৌ তে 0 কে 0

I -া সর্গা -মা পা | মজা -রজা -রজা: -স: } II II
0 ভা স্ বি আ0 00 00 ম্